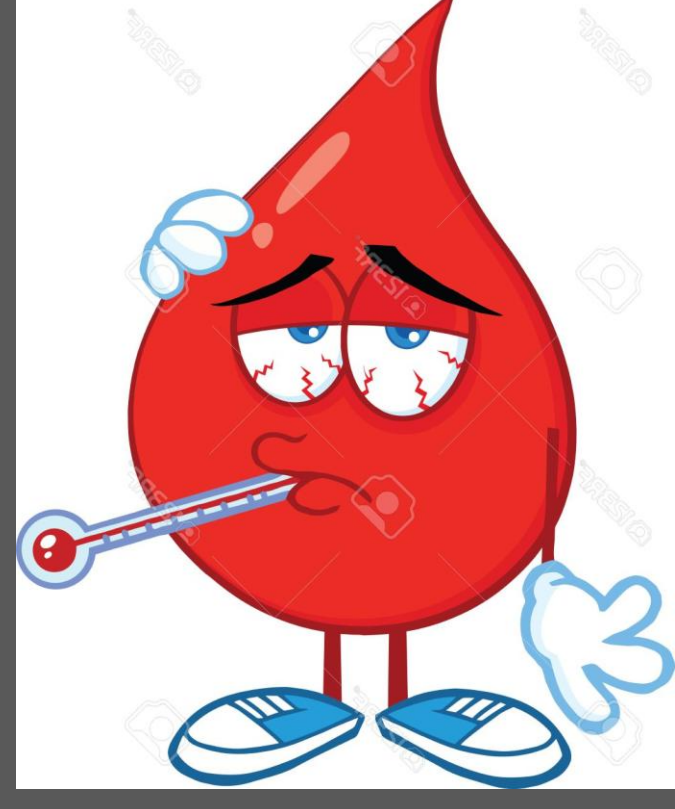


क्या आपमें खून की कमतरता, पीलिया, हड्डीयों में दर्द, कमजोरी और थकान जैसे लक्षण हैं, क्या आपके परिवार में किसीको खून चढ़ाना पड़ता है?



## तो जानिए सिकल सेल और थॅलेसेमिया जैसी अनुवंशिक बीमारीयों के बारे में

### परिचय

थॅलेसेमिया और सिकल-सेल अॅनेमिया बच्चों को माता-पिता से अनुवंशिक तौर पर मिलने वाले रक्त-विकार हैं। जिसमें रोगी के शरीर में लाल रक्त कण और हीमोग्लोबिन सामान्य मात्रा से कम होते हैं। थॅलेसेमिया माइनर थॅलेसेमिया जीन का वाहक होता है तथा थॅलेसेमिया मेजर में रोगी को बार-बार खून चढ़ाना पड़ता है। सिकल-सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार असामान्य, कठोर तथा हंसिये के समान होता है।

### लक्षण

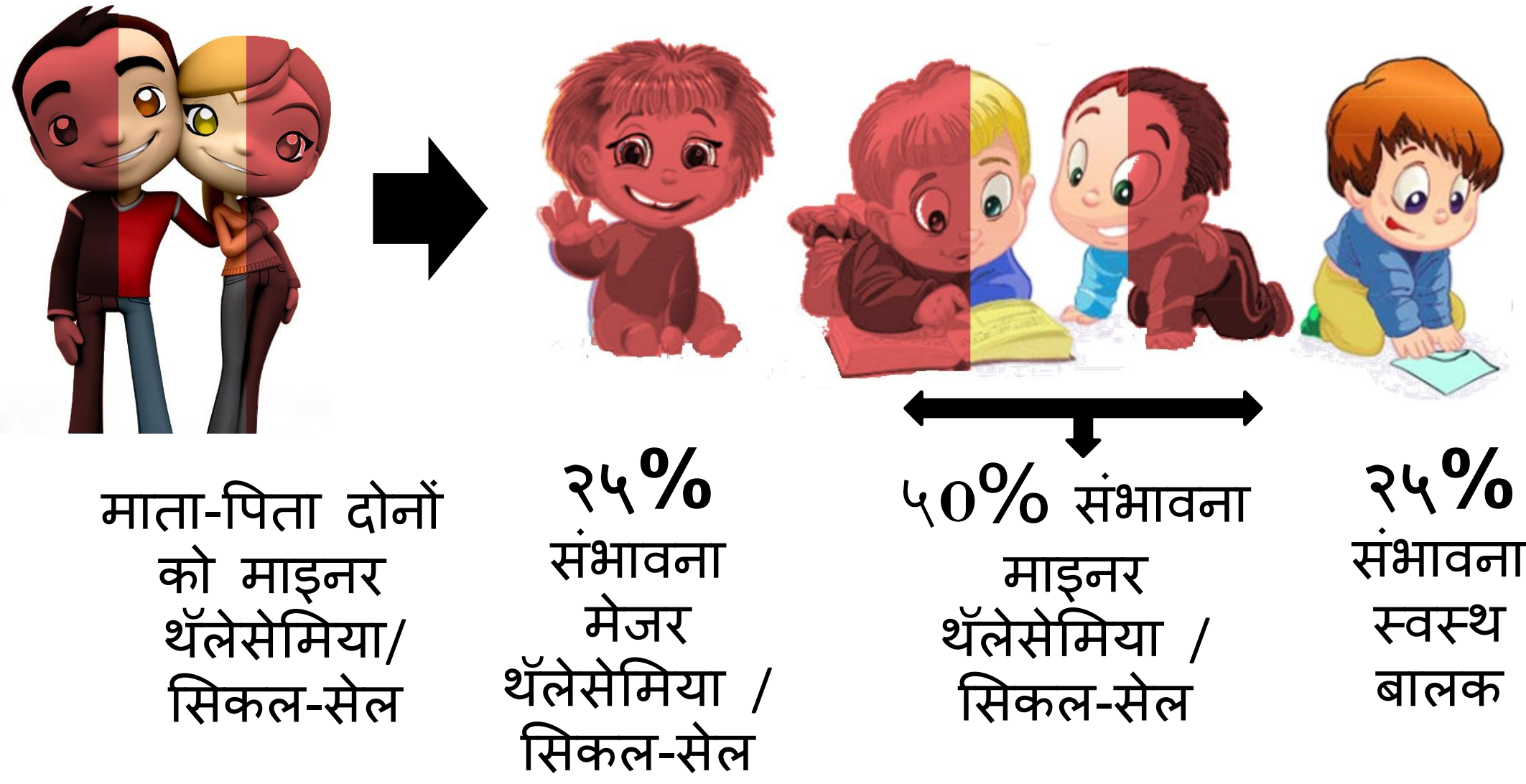
शिशु में इसकी पहचान तीन माह की आयु के बाद ही होती है। सूखता चेहरा, लगातार बीमार रहना, वजन ना बढ़ना, खून की कमी, पीलिया

### निदान

- पूर्ण रक्तकण गणना (कंप्लिट ब्लड काउंट)
- हीमोग्लोबिन वैद्युतकणसंचलन (इलेक्ट्रोफोरेसिस)
- म्यूटेशन एनालिसिस टेस्ट

### उपचार

- नियमित खून चढ़ाना
- दर्द निवारक दवाइयाँ
- अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बोन मैरो ट्रांसप्लांट)

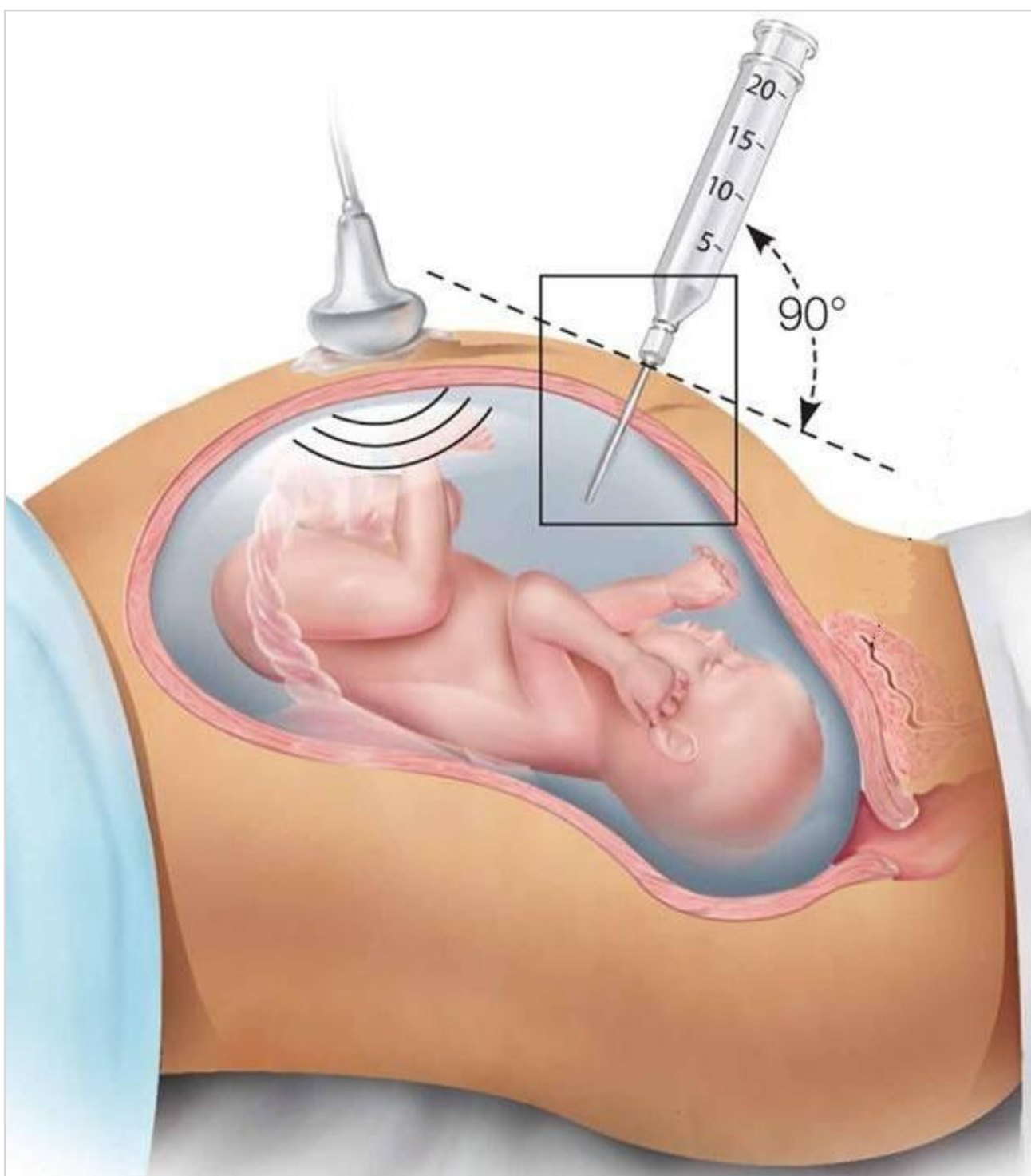


## इलाज से बेहतर निवारण!

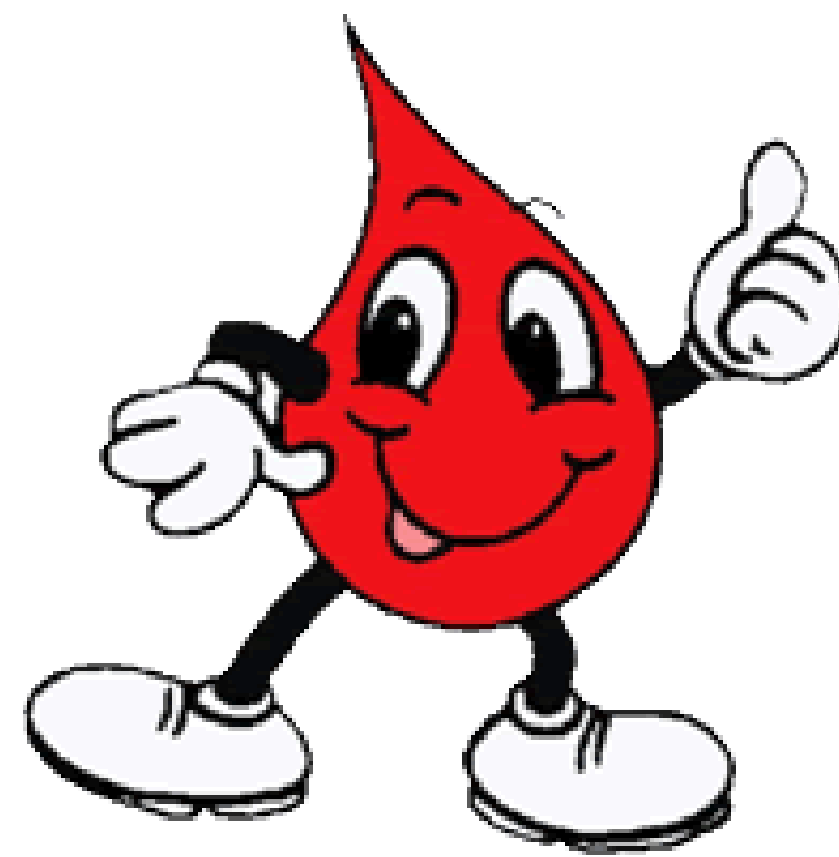


विवाह पूर्व स्वास्थ्य कुंडली जरूर मिलाएँ।  
विवाह से पहले महिला-पुरुष थॅलेसेमिया और सिकल-सेल की जाँच कराएँ।

### बचाव एवं सावधानी



गर्भावस्था के दौरान पेट के बच्चे की थॅलेसेमिया और सिकल-सेल इन बीमारीयों के लिये जाँच कराएँ



गर्भधारण से पहले खून की जाँच कराएँ।

यह जांचने के लिए गर्भावस्थाके ९ से १३ सप्ताह के बीच (सीवीएस) या १८ से २१ सप्ताह के बीच (कॉर्डोसैंटेसिस) भ्रूण के रक्त के नमूने को लिया जाता है।

